भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2897 का उत्तर

बोरीवली और विरार तथा विरार और दहानू के बीच रेल लाइन

2897. डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बोरीवली और विरार के बीच प्रस्तावित 5वीं और 6वीं रेल लाइनों तथा विरार और दहानू के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइनों की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) पालघर जिले में भूमि अधिग्रहण, वास्तविक प्रगति और किए गए व्यय सहित पूरे हो चुके और निष्पादन के अधीन कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन में किसी प्रकार की देरी हुई है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) इन रेल लाइनों, विशेषकर पालघर जिले के अंतर्गत आने वाले खंडों, के कार्य आरंभ किए जाने और पूरा किऐ जाने की अनुमानित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विरार-दहानू रोड तीसरी एवं चौथी लाइन (64 कि.मी.) तथा बोरीवली-विरार पांचवीं एवं छठी लाइन (26 कि.मी.) परियोजनाएं क्रमशः एमयूटीपी-III तथा एमयूटीपी-IIIए के अंतर्गत कवर होती हैं। इन परियोजनाओं की स्थिति निम्नानुसार है:

परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)	स्थिति
विरार-दहानू रोड तीसरी एवं चौथी लाइन (64 कि.मी.)	3,578	• संपूर्ण 39 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत। • संपूर्ण 3 लाख घन मीटर भूमि संबंधी

परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)	स्थिति
		कार्य पूर्ण। • 16 में से 13 बड़े पुलों का कार्य पूर्ण। • 68 में से 53 छोटे पुलों का कार्य पूर्ण। • सभी 4 निचले सड़क पुलों का कार्य पूर्ण। • 181 में से 60 स्टेशन/सेवा भवन का कार्य पूर्ण। • 128 कि.मी. में से 31 कि.मी. रेलपथ बिछाने का कार्य पूर्ण।
बोरीवली-विरार पांचवीं एवं छठी लाइन (26 कि.मी.)	2,184	• 17 हेक्टेयर में से 16 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत। • पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से वन स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है। • माननीय उच्च न्यायालय से मैंग्रोव कटान की अनुमति प्राप्त की गई। • 6.7 लाख घन मीटर में से 3.3 लाख घन मीटर भूमि संबंधी कार्य पूर्ण। • 23 में से 5 पैदल पार पुल के विस्तार संबंधी कार्य पूर्ण। • 12 में से 2 छोटे पुलों का कार्य पूर्ण। • 3 बड़े पुलों में कार्य प्रगति पर हैं। • स्टेशन भवनों तथा अन्य मदों में कार्य प्रगति पर है।

विरार-दहानू रोड तीसरी एवं चौथी लाइन (64 कि.मी.) तथा बोरीवली-विरार पांचवीं एवं छठी लाइन (26 कि.मी.) का संपूर्ण भाग पालघर जिले में पड़ता है। इन दोनों परियोजनाओं पर कुल 3,528 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया जा चुका है।

उपर्युक्त दोनों परियोजनाओं के अतिरिक्त, 4,502 करोड़ रु. लागत की एमयूटीपी-I, 8,087 करोड़ रु. लागत की एमयूटीपी-II, 10,947 करोड़ रु. लागत की एमयूटीपी-III तथा 33,690 करोड़ रु. लागत की एमयूटीपी-IIIए के अंतर्गत अन्य परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं। एमयूटीपी परियोजनाओं सहित मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के भीतर कार्यों की स्थिति निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)	कार्य की स्थिति
1	नायगांव-जुईचंद्र डबल कॉर्ड लाइन (6 कि.मी.)	176	• भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है।
2	गोरेगांव-बोरीवली हार्बर लाइन का विस्तार (7 कि.मी.)	826	• भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है।
3	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली छठी लाइन (30 कि.मी.)	919	• चरण-I (बोरीवली-खार रोड, 17 कि.मी.) : कमीशन किया गया। • चरण-II (खार रोड-मुंबई सेंट्रल): भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है।
4	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (34.97 कि.मी.)	794	• डिजाइन एवं आरेखण का कार्य शुरू किया गया है।
5	कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,759	• 92 में से 8 छोटे पुल पूर्ण। • 28 हेक्टेयर में से 17 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण पूर्ण। • 7 बड़े पुलों में कार्य प्रगति पर है।
6	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433	• 54 हेक्टेयर में से 48 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण पूर्ण। • 9 में से 4 बड़े पुल पूर्ण। • सभी 5 स्टेशन भवन पूर्ण। • 68 कि.मी. में से 23 कि.मी. रेलपथ बिछाने का कार्य पूर्ण।
7	कल्याण-बदलापुर तीसरी एवं	1,510	• 2 में से 1 बड़ा पुल पूर्ण।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)	कार्य की स्थिति
	चौथी लाइन (14 कि.मी.)		• 4 में से 2 ऊपरी सड़क पुल पूर्ण। • 40 में से 30 छोटे पुल पूर्ण।
8	बदलापुर-कर्जत तीसरी एवं चौथी लाइन (32.46 कि.मी.)	1,324	• डिजाइन एवं आरेखण का कार्य शुरू किया गया है।
9	पनवेल-कर्जत उपनगरीय कॉरिडोर (29.6 कि.मी.)	2,782	• सभी 3 सुरंगें (3 कि.मी.) पूर्ण। • 5 ऊपरी सड़क पुल, 16 निचले सड़क पुल पूर्ण। • 9 बड़े पुल, 35 छोटे पुल पूर्ण। • 70 कि.मी. में से 67 कि.मी. रेलपथ बिछाने का कार्य पूर्ण।
10	ऐरोली-कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय कॉरिडोर लिंक (3.3 कि.मी.)	476	• चरण-I (दिघा में हॉल्ट स्टेशन): कमीशन किया गया। • चरण-II (ऐरोली-कलवा एलिवेटेड रेलपथ, 3.3 कि.मी.) : भूमि अधिग्रहण तथा पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन की कार्रवाई की जा रही है।
11	निलजे-कोपर डबल कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338	• भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है। • 15 में से 6 छोटे पुल पूर्ण। • 1 लाख घन मीटर में से 0.85 लाख घन मीटर भूमि संबंधी कार्य पूर्ण।
12	सीएसएमटी-कुर्ला पांचवीं एवं छठी लाइन (17.5 कि.मी.)	891	• चरण-I (कुर्ला-परेल, 10.1 कि.मी.): • 12 में से 1 छोटा पुल पूर्ण। • 4 में से 2 स्टेशन भवन पूर्ण। • सायन ऊपरी सड़क पुल का

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)	कार्य की स्थिति
			पुनर्निर्माण प्रगति पर है। • चरण-II (परेल-सीएसएमटी, 7.4 कि.मी.): भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 में मुंबई शहरी परिवहन परियोजनाओं हेतु 2,213 करोड़ रु. की राशि आबंटित की गई है।

पालघर जिले से होकर गुजरने वाला जवाहरलाल नेहरू पत्तन टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी (1506 किमी) तक का पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारा पूर्ण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (508 किमी) प्रगति पर है, जिसमें पालघर जिले में विरार तथा बोईसर नामक दो स्टेशन हैं।

महाराष्ट्र

रेल बजट:

पिछले पांच वर्षों के दौरान बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2026-27	23,926 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

2009-14 और 2014-26 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	2,585 कि.मी.	215.4 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 4 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 1,42,635 करोड़ रु. की लागत से 5,956 कि.मी. कुल लंबाई की 52 परियोजनाओं (13 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	13	1,399	266	13,065
आमान परिवर्तन	02	609	334	5,013
दोहरीकरण/बहुपथन	37	3,948	998	16,704
कुल	52	5,956	1,598	34,782

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली व हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 कि.मी.)	6,463
2	होटगी-कुडगि-गदग दोहरीकरण (284 कि.मी.)	2,459
3	मनमाड-जलगांव तीसरी लाइन (160 कि.मी.)	1,677
4	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005
5	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
6	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 कि.मी.)	263
7	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 कि.मी.)	330
8	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 कि.मी.)	2,448
9	मुदखेड़-परभणी दोहरीकरण (81 कि.मी.)	673

10	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	325
11	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 कि.मी.)	261
12	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 कि.मी.)	3,182
13	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 कि.मी.)	3,426

चालू परियोजनाएं:

महाराष्ट्र राज्य में रेल अवसंरचना को और बेहतर बनाने के लिए निम्नलिखित कार्य शुरू किए गए हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	अहिल्यानगर-परली वैजनाथ नई लाइन (261 कि.मी.)	5,800
2	बारामती-लोनंद नई लाइन (64 कि.मी.)	1,844
3	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 कि.मी.)	5,248
4	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
5	वडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 कि.मी.)	1,886
6	जालना-जलगांव नई लाइन (174 कि.मी.)	5,804
7	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 कि.मी.)	917
8	वर्धा-बल्हारशाह तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	1,755
9	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 कि.मी.)	2,607
10	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 कि.मी.)	3,545
11	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 कि.मी.)	1,215
12	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 कि.मी.)	2,574
13	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,285
14	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (84 कि.मी.)	3,296
15	पनवेल-चौक दोहरी लाइन (17 कि.मी.)	491
16	वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन (135 कि.मी.)	2,226
17	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010
18	वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 कि.मी.)	9,197
19	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 कि.मी.)	2,223

20	गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण (240 कि.मी.)	4,819
21	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433
22	नायगांव-जुइचेंद्र दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	176
23	निलजे-कोपर दोहरी कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338
24	बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,324
25	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (35 कि.मी.)	794
26	कसारा-मनमाड तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	10,154
27	गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण (231 कि.मी.)	5,236
28	चालीसगांव रेल ओवर रेल फ्लाईओवर (11 कि.मी.)	264
29	चिखले और सोमताने (4 कि.मी.) के बीच कॉर्ड लाइन	172

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

****